पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय
PONDICHERRY UNIVERSITY

मानविकी विद्यापीठ/School of Humanities

हिंदी विभाग/DEPARTMENT OF HINDI

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी / Three Day National Seminar

'छायावाद : शताब्दी के बाद'

इतिहास की पुनर्यात्रा

'CHAYAVAD : SHATABDI KE BAAD'

ITIHAS KI PUNARYATRA

4-6 सितंबर / September, 2019

मानविकी विद्यापीठ,

रजत जयंती परिसर, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी

School of Humanities,

Silver Jubilee Campus, Pondicherry University, Puducherry

संगोष्ठी के बारे में

बीसवीं शताब्दी के दूसरे दशक का उत्तरार्ध,हिन्दी साहित्य के लिए वरदान की तरह है। यह, वह समय है जब कवियों ने वस्तुओं को असाधारण दृष्टि से देखा जिसमें एक साथ उन्मादकता, अंतरंगता, चित्रात्मक संगीतात्मकता तथा दूसरी तरफ आध्यात्मिकता, अतिशय भावुकता और कल्पनाशीलता भी है। इतनी सारी विशेषताओं ने हिन्दी कविता की एक विशेष धारा निर्मित की, जिसे विद्वानों ने 'छायावाद' नाम दिया । जहाँ मुकुटधर पाण्डेय ने छायावादी काव्य में 'चित्रकारी और संगीत का अपूर्व एकीकरण' माना है, वहीं सुमित्रानंदन पंत के अनुसार छायावाद की कविता में शब्दों को नीरव करने का प्रयास है जिससे वह "कर्णश्रुत न होकर हृदयगम्य हो, इंद्रियगोचर न होकर आत्मा से ग्राह्य हो।" देखा जाय तो छायावादी कवियों का प्रयास इस अर्थ में एक महत प्रयास माना जाएगा जहाँ कविता अपनी भाषा तथा भाव दोनों ही क्षेत्रों में काफी उत्कृष्ट बन गई।

यह कहने की जरूरत नहीं है कि यह वर्ष - 2018, में छायावाद ने अपने सौ वर्ष पूरे कर लिए। इस अवसर पर हिन्दी तथा भारतीय साहित्यिक समाज काफी जोश और उत्साह के साथ छायावाद की शतवार्षिकी मना रहा है । यह इस बात का प्रमाण है कि अपने सौ वर्ष पूरे कर लेने तथा बहुत सारे वाद और विवादों को झेलने के बाद भी छायावाद, अब भी साहित्य के सुधि पाठकों और काव्य-मर्मज्ञों के बीच उसी प्रकार राज कर रहा है।

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर हिन्दी विभाग, पॉण्डिचेरी विश्वविद्यालय तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी काआयोजन करने हेतु कृतसंकल्प है। इसके उपविषय निम्नवत हैं-

- छायावाद और मुक्तछंद की कविता
- छायावाद का राष्ट्रवादी स्वर
- छायावाद और स्त्री मुक्ति के वर्तमान प्रश्न
- छायावाद और व्यक्ति स्वातंत्र्य
- छायावाद की वर्तमान प्रासंगिकता

आदि विषयों पर सार्थक बहस के द्वारा नेपथ्य में छुपे कई गंभीर तथा जटिल प्रश्नों जैसे कि- क्या सचमुच ही छायावाद में लोकतांत्रिक भाव-विजय है? या, क्या सचमुच ही यह गुलाम देश की पहली सामाजिक स्वतंत्रता की उद्घोषणा थी? आदि को समझने और सार्थक निष्कर्ष निकालने की कोशिश की जाएगी।

शोधालेख आमंत्रण/ Call for papers -

इच्छुक प्रतिभागी उपरोक्तउप विषय के अतिरिक्त मूल विषय से जुड़े शोध आलेख भेज सकते हैं। शोध-आलेख मौलिक तथा अप्रकाशित होना चाहिए। पूर्ण शोध-आलेख भेजने की अंतिम तिथि 05 अगस्त 2019 है।

संगोष्ठी में चयनित स्तरीय प्रपत्रों का ही वाचन किया जाएगा तथा उत्तम प्रपत्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतिभागी अपना पूर्ण शोध आलेख chayavad100@gmail.comपर भेजें।

- **Kindly note that in-absential paper presenters are will not be eligible for certificate but will be eligible for publication.**

महत्वपूर्ण तिथियाँ/ Important Dates -

पूर्ण शोध-आलेख भेजने की अंतिम तिथि	**:**	**05.08.2019**
पंजीकरण की अंतिम तिथि	**:**	**17.08.2019**

पंजीकरण शुल्क/ Registration Fee -

शिक्षक	**-**	**रु. 1500/-**
शोधार्थी	**-**	**रु. 1000/-**
विद्यार्थी	**-**	**रु. 500/-**

पंजीकरण के लिए लिंक/ Registration link -

https://docs.google.com/forms/d/1-YmI5HKjf7x6kbLJu5LsxGgppGaxPJDWU0Kwe5oUSgo/edit

पंजीकरण शुक्ल का भुगतान ऑनलाइन पर अपने नेट बैंकिंग खाते के माध्यम से या बैंक द्वारा NEFT के माध्यम से कर सकते हैं ।

Registration Fee shall be paid online through net-banking account or through Bank by NEFT.

A/c. Name: छायावाद : शताब्दी के बाद

S.B. A/c. No. 6774591759

IFSC: IDIB000P152

Indian Bank, Pondicherry University Branch

यात्रा मार्गदर्शन/Travel Guidance -

पाण्डिच्चेरी विश्वविद्यालय से निकटतम रेलवे स्टेशन :-

1. **पुद्दुचेरी (दूरी -14 किलोमीटर)**
2. **विल्लुपुरम (दूरी -45 किलोमीटर)**
3. **चेन्नई सेंट्रल (दूरी - 160 किलोमीटर)**

यात्र एवं व्यय आवास/Travel Expenses & Accommodation:

सीमित साधनों से संगोष्ठी का आयोजन करने के कारण यात्रा-व्यय की प्रतिपूर्ति आयोजकों के द्वारा दिया जाना संभव नहीं हो पा रहा है । प्रतिभागियों को स्वयं वहन करना होगा । प्रतिभागियों को अपने आवास की व्यवस्था भी स्वयं करनी होगी। इस संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता की जाएगी ।

पांडिच्चेरी में सस्ते में ठहरने के लिए अच्छे अतिथि गृह कई उपलब्ध हैं। अरविंद आश्रम के प्रबंधन से संबद्ध कुछ अतिथि गृहों के संपर्क-सूत्र प्रतिभागियों की सूचना हेतु यहाँ दी जा रही है -

1. **New Guest House (Ph.Nos. 0413-2221553, 2233634)**
2. **International Guest House (Ph.No. 0413-2336699)**
3. **Aurobindo Andhra Bhawan (Ph.No. 0413-2233708)**
4. **Karnataka Nilayam(Ph.No. 0413-2332351)**
5. **Oviya Nilayam (Ph.No.04132- 2233643)**

इनके अलावा सरकारी युवा आवास-गृह भी उपलब्ध है - Govt. Youth Hostel (Ph.No.0413-2237495)

इनके अलावा विभिन्न श्रेणी के कई सारे होटल, रिजॉर्ट भी उपलब्ध हैं। जिनकी सूचना इंटरनेट पर प्राप्त की जा सकती है और अग्रिम बुकिंग भी ऑनलाइन पर करवा सकते हैं ।

यात्रा मार्गदर्शन /Travel Guidance:

Nearest Railway station to Pondicherry University:

1. **Puducherry (Distance- 14 km.)**
2. **Villupuram (Distance- 45 km.)**
3. **Chennai Central (Distance- 160 km.)**

Bus Station:

1. **Pondicherry Main Bus Station. (Distance- 14 km.)**

जो चेन्नई से बस से ई.सी.आर. के रास्ते आएंगे, वे विश्वविद्यालय के सामने ही उतर सकते हैं ।

Airport-

1. **Chennai(MAA) (Distance- 140 km.)**
2. **Puducherry (PY) Distance-12 km)**

आयोजन समिति/ORGANIZING COMMITTEE

मुख्य संरक्षक/Chief Patron

- **आचार्य गुरमीत सिंह/Prof. Gurmeet Singh**
  कुलपति, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय / Vice Chancellor, Pondicherry University

संरक्षक/ Patrons

- **आचार्य राजीव जैन / Prof. Rajiv Jain**
  निदेशक (सं. एवं सां.स.) / Director (C&CR)

मुख्य सलाहकार एवं संगोष्ठी निदेशक / Chief Advisor & Seminar Director

- **आचार्य के. श्रीनिवास /Prof. K. Srinivas**
  अधिष्ठाता, मानविकी विद्यापीठ / Dean, School of Humanities

संगोष्ठी संयोजक /Convener of the Seminar

- **डॉ. एस. पद्मप्रिया / Dr. S. Padmapriya**
  सह आचार्या, हिंदी विभाग / Associate Professor, Dept. of Hindi

सह-संयोजक / Coordinator

- **डॉ . सी. जय शंकर बाबु /Dr. C. Jaya Sankar Babu**
  सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष(प्रभारी) / Asst. Professor& Head i/c, Dept. of Hindi

संगोष्ठी सचिव/Secretary of the Seminar

- **श्रीमती ई.आर. संध्या / Mrs. E.R. Sandhya, सहायक/ Assistant, हिंदी विभाग / Dept. of Hindi**
- **श्रीमती एम.पी. दिव्या / Mrs. M.P. Divya, शोधार्थी/Research Scholar/हिंदी विभाग/ Dept. of Hindi**

Pondicherry University

Pondicherry University established under an Act of Parliament in the year 1985 is located in Puducherry. The university has 15 Schools, 37 Departments and 10 Centres offering 175 Post Graduate and Research programs. The university has all the state-of-the-art facilities in all the Schools and Departments paving the way for the students to have a student-friendly, result-oriented academic environment with green ambience. The University has four campuses. The Main Campus is located at Puducherry and the other three off-campuses are located at Mahe, Karaikal and Port Blair. The University has made a giant leap in promoting usage of Information & Communication Technology (ICT) products/ services in the areas of teaching / learning, research and administration. The Ananda Rangapillai Library at the University has a collection of more than 2- lakh books and over 25,084 e-journals, 7,455 e-books, 36 e-databases and 620 e-thesis. It offers rent-free accommodation to all girl students and provides totally-free education to all the differently abled students.

Department of Hindi

Department of Hindi was established in 1993. The Department is offering quality education programmes and it facilitates for intensive study and research in different areas of Hindi Language and Literature and its applied and functional aspects such as translation, media, comparative studies, language technology, various contemporary discourses etc. Faculty members of the department have designed and floated courses on contemporary relevance and emerging areas which are offered as optional and soft core courses. Some of these courses are interdisciplinary in nature and aimed to nurture the skills of the students for their career development. Some of the courses offered in English medium too. Department is playing a vital role in spreading E -Literacy in the area of computing in Indian Languages and adopting innovative practices in teaching, learning and evaluation process. ICT integrated teaching, seminars, interactive classes, group discussions, internal and external assessment practices are enriching the teaching and learning. Department is also playing vital role in developing MOOCs, which provides opportunity to many for open online-learning and blended learning experience to campus students. Alumni of the Department are well placed in prestigious institutions and Government sector.

अधिक जानकारी के लिए निम्न मोबाइल / वाट्सैप नंबर पर संपर्क कर सकते हैं :-

- **Sarveshvar pratap singh - 8840996296**
- **Anand kumar Shukla - 8903966341**
- **Jagdish Narayan Tiwari - 9453602216**
- **Dr.Ganshewar Sainath Nagnath - 7598438956**
- **Dr.Sitare hind - 9498895284**
- **Ramlakhan Rajoriya - 9442376281**